विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 16-02-2021

वर्ग पंचम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

संस्कृत में तीन वचन होते है - एकवचन , द्विवचन , बहुवचन

एकवचन का प्रयोग

जैसे - बालक दौड़ता है ।

बालक क्या है ? बालक कर्ता है , कर्ता अर्थात् काम को करने वाला । क्योंकि वह दौड़ने का काम कर रहा है । बालक अकेला है , इसलिये वह एकवचन है ।

दौड़ना क्या है ? दौड़ना एक क्रिया है , और यह वर्तमान काल की क्रिया है , क्योंकि वह अभी इस समय दौड़ रहा है ।

अतः कर्ता यदि एकवचन है तो क्रिया में भी एकवचन ही होगा ।

बालक दौड़ता है संस्कृत में अनुवाद होगा - बालकः धावति ।

इसी प्रकार -

सिंह गरजता है - सिंहः गर्जति ।

सैनिक जाता है - सैनिकः गच्छति ।

मृग चरता है - मृगः चरति ।

अश्व दौड़ता है - अश्वः धावति ।

कोयल कुजती है - कौकिलः कुजति ।

बालक गिरता है - बालक ; पतति ।

राम आता है - रामः आगच्छति ।

द्विवचन का प्रयोग

अभी हमने एकवचन का प्रयोग सीखा , अब हम द्विवचन का प्रयोग सीखेगें ।

द्विवचन का मतलब है- एक साथ दो जैसे- हम दोनों , दो बालक, दो हाथी , दो घोड़े

जैसे - दो बालक पड़ते है । यहाँ पर दो बालक क्या है ?

दो बालक कर्ता है - क्योंकि ये पड़ने का काम कर रहे है । जो किसी काम को करता है , वह कर्ता कहलाता है । और यह द्विवचन है ।

पड़ना - एक क्रिया है । अतः कर्ता यदि द्विवचन है तो क्रिया में भी द्विवचन ही होगा ।

दो बालक पड़ते है - संस्कृत में अनुवाद होगा - बालकौ पठतः ।

दो घोड़े दौड़ते है - अश्वौ धावत ; ।

दो मृग चरते है - मृगौ चरतः ।

दो कौए बोलते है - काकौ वदतः ।

दो शिष्य पढ़ते है - शिष्यौ पठतः ।

दो सिंह गरजते है - सिंहौ गर्जतः ।

दो तोते उड़ते है - शुकौ उत्पततः ।

दो बालक नमस्कार करते है - बालकौ नमतः।

दो हाथी दौड़ते है - गजौ धावतः ।

दो कोयल चहचहाती है - कोकिलौ कूजतः ।

इस प्रकार हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद करने के लिये यदि कर्ता में द्विवचन है तो क्रिया में भी द्विवचन का प्रयोग ही करना होगा ।

आवाम् - हम दोनों

युवाम् - तुम दोनों

तौ - वे दोनों ।

बहुवचन का प्रयोग

अभी हमने एकवचन और द्विवचन का प्रयोग सीखा ।

अब हम बहुवचन का प्रयोग सीखेगें ।

बहुवचन का अर्थ है - बहुत सारे , एक या दो से ज्यादा । तीन या इससे अधिक जितने भी हो ।

बालकः - एक बालक , बालकौ - दो बालक , बालका - बहुत सारे बालक ।

बच्चे नमस्कार करते है - बालकाः - नमन्ति ।

बालकाः - क्या है? ये कर्ता है , बहुवचन है , क्योंकि दो से ज्यादा बालक है ,अतः बहुवचन

नमन - एक क्रिया है , चुँकि कर्ता में बहुवचन है , इसलिये क्रिया में भी बहुवचन का प्रयोग किया ।

अश्वाः धावन्ति - घोड़े दौड़ते है ।

खगाः उत्पतन्ति - पक्षी उड़ते है ।

जनाः हँसन्ति - मनुष्य हँसते है

शिष्याः लिखन्ति- शिष्य लिखते है ।

सिंहाः गर्जन्ति - सिंह गरजते है ।

मृगाः चरन्ति - मृग चरते है ।

शुकाः वदन्ति - तौते बोलते है ।

बालकाः पठन्ति - बालक पढ़ते है ।

इस प्रकार बहुवचन का प्रयोग कर्ता और क्रिया में एक साथ किया ।हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद करने के लिये तीनों वचनों का प्रयोग समझना जरुरी है ।

यहाँ पर कुछ शब्दों के अर्थ याद कीजिये-

सिंह शेर

काकः कौआ

गर्ज गरजना

गच्छ् जाना

पत् गिरना

शुकः तौता

आगच्छ् आना

नम् नमस्कार करना

वद् बोलना

धाव दौड़ना